Nehru Yuva Sandesh

20th National Youth Festival, 12 – 16 January, 2016, Raipur, Chhattisgarh

Vol. 20/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Friday, 15 January, 2016

"If faith in ourselves had been more extensively taught and practiced, I am sure a very large portion of the evils and miseries that we have would have vanished."

— Swami Vivekananda

यह जिदंगी नहीं मिलेगी दुबारा
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

देश की युवा शक्ति दुनिया में सबसे बड़ी है और कौशलता से उन्हें जोड़कर देश का द्रुत गति से विकास किया जा सकता है। युवाओं को कौशल केन्द्रित होकर अपने जिंदगी को संवारना चाहिए। यह बात छत्तीसगढ़ शासन की प्रमुख सचिव रेणु पिल्लई ने कौशल विकास व्याख्यान माला में युवाओं को संबोधित करते हुए कही।

दृढ़ इच्छा शक्ति, मेहनत और कौशलता ही सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है। यह बात छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय स्कील डेवलपमेंट एथोरिटी की सीईओ डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कौशल विकास व्याख्यान में युवाओं को संबोधित करते हुए कही।

डॉ. शुक्ला ने कहा कि चींटी अपने भार से दुगुना भार वहन करती है, गिरती, चढ़ती है और हजारों बार ऐसा करने पर भी हार नहीं मानती। आखिर चींटी को सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि जिंदगी दुबारा नहीं मिलती। इस जिंदगी के सपनों को, लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आज से, अभी से जुट जाना चाहिए। लाईवलीहुड कॉलेज भिलाई के देवेन्द्र सिंह ने निःशुल्क कौशल आवासीय प्रशिक्षण योजना की जानकारी दी।

कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह ने युवाओं से चर्चा कर उन्हें प्रधानमंत्री के मन की बातों पर चर्चा की।

अन्तिम सत्र में तपन दास, युथ फॉर जाब्स हैदराबाद, राजेश दुबे, डायरेक्टर यूओवी एफआरडीसी जोधपुर, शशांक अवस्थी विशेष कोलकता, देवेन्द्र सिंह भदौरिया चीफ प्रोग्राम कोर्डिनेटर लुपिन ह्युमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउन्डेशन ने दिव्यांग व्यक्तियों, मानवविकास और उद्यमिता पर अपने विचार रखे।

Anuj Sharma and Aarug sets the stage on fire

With a voice so honest, pure and melodious that it penetrates through the body into the mind stirring your soul, Padmashree Anuj Sharma and his folk band Aarug left its audience in complete awe at the 20th National Food Festival. It is true that art has no language but if the art is in your mother tongue, it leaves a deeper impact. While the Chhatisgarhis went down melancholic lanes of their childhood, the participants from other states got their doze of local flavour.

Keeping the folk spirit intact, the band consists of banjo, harmonium, flute, dholaks and tabla. He sang some his most well known numbers like "Bumbai ke turi re", "kaan mein baali", "bane kare raam mola Andhra banaye" and "main to taras mar jaiho bigar bole se". He also enlightened the audience by singing the original song "Maate raibo re" that inspired the popular bollywood number "Sasural genda phool". One of his talents is the ability to seamlessly incorporate multiple genres of songs without losing the flow. From romance to devotion to spiritualism and all the way to our most beloved bollywood sprinkling in between a number of riddles and couplets that add another layer of meaning to his performance. Involving the audience and changing tempos keeps his act full of energy and excitement.

Kavita Seth gives the much needed Sufi touch

Renowned sufi singer Kavita Seth stole the show with her melodious godly voice at the 20th National Youth Festival. She has a long list of awards and mainstream bollywood super hits to her fame while also being one of the most well known sufi singers. Interestingly, she chose to give this evening a touch of Sufism. Dressed in saintly white, Kavita sang some of her well known numbers with a sufi backdrop like "Iktara", "Mora piya mose bolat nahi" and "Upar khuda".

Indian Army promises bright career options for all

Indian Army's camp at the 20th National Youth Festival is one of the star attractions of the event. It is absolutely fascinating for all to not only see and learn about the various weapons and instruments used by army but also to touch them. Indian Army has been actively engaging the youth with their seminars, question-answer sessions and various audio visual presentations. While most of the youth dream of a bright career in fields likes medicine, technology or media, only few dream of becoming an army officer. One of the reasons is the lack of information about career options in Indian army. Through this exhibition, army officials are getting a chance to interact with youngsters one on one and answer their questions.

One of the most important aspects of this exhibition is the idea of involving more and more girls to take up a career in Indian army. Explained at these sessions are the various positions, their roles and responsibilities and the necessary qualifications for application. As opposed to popular beliefs, everyone doesn't have to go to the border. There are various positions in fields of medical, nursing and engineering for the army that offer a bright future to the female youth members of our country. They explained that their website www.joinindianarmy.nic.in has all the necessary information for enrolment like eligibility criteria, forms, exam schedules and results etc.

नेहरु युवा केन्द्र संगठन
Nehru Yuva Kendra Sangathan

Vol. 20/4 Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter Friday, 15 January, 2016

संदेश

20वें राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होना प्रसन्नता की बात है । राष्ट्रीय युवा उत्सव अब एक परंपरा बन चुका है, जिसमें प्रतिभागिता के लिए पूरे देश के युवा कलाकार आतुर रहते हैं । इस मंच पर बड़ी संख्या में ग्रामीण कलाकारों को अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने में सहायता मिलती है ।

मैं देश के कोने–कोने से आए प्रतिभागियों एवं आयोजकों को महा 'त्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूँ ।

साथियों, आगामी 21 अप्रैल से 23 मई 2016 तक मध्यप्रदेश के पौराणिक नगर उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ का आयोजन होगा। सिंहस्थ अपने आप में सनातन भारतीय परंपरा का जीवंत प्रतिरूप है । मैं समस्त युवाओं को सिंहस्थ 2016 में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित करता हूँ ।

शुभकामनाओं सहित...

विष्णु दत्त शर्मा
उपाध्यक्ष
नेहरू युवा केन्द्र संगठन

छत्तीसगढ़ के टमाटर की चटनी और मुठिया रोटी का स्वाद लेते हुए तमिलनाडु, हरियाणा और गुजरात की युवतियां।

उत्तर भारत की लोहड़ी हो या दक्षिण भारत का पोंगल, छत्तीसगढ़ के युवा उत्सव में गए सब घुल मिल।

ह से हरियाणा, ह से हिमाचल बना रहे हैं एक नया हिन्दुस्तान

Breaking sterotypes: Astounding performances at the Classical Dance competition

Art doesn't know the difference of languages, cultures and traditions. It flows freely through everyone. It has a language of its own. The Classical Dance competition at the 20th National Youth Festival witnessed some extremely refined performances in the classical dance forms Kuchipudi and Manipuri.

Artists from Telengana, Gujarat, Delhi, Puducherry, Maharashtra, Punjab, Odisha, Chhattisgarh, Haryana, Andhra Pradesh, Madhya Pradesh, Tamil Nadu, Kerala and Karnataka delivered some stunning performances one after other making it difficult for the judges, Mr. Jyothi Nag, Dr. Sashi Dharan and Dr. Rakesh Babu to evaluate.

Manipur has managed to keep its culture and traditions intact without much western influences. However, its dance form has become increasingly popular beyond its borders. Participants from Manipur, Bihar, Trpura, Telengana, Madhayapradesh, Uttarpradesh, Karnataka, Kerla and Hartana performed flawlessly keeping the crowds glued to their seats.

Prabina S. Prata (Dancer Kuchipudi, Kerla): "NYF is a platform of cultural exchange for me. I learn so much about other cultures as well share so much about Kerala."

S.S.R. Koundiaya (Dancer Kuchipudi, Andhrapradesh) : I performed Satyabhama today where in earlier days, females were prohibited to dance so males only played all the characters.

Tunhin Thakur (Dancer Kuchipudi, Haryana): People of Andhra Pradesh performed Kuchipudi to tell stories and today I performed Dasabataram, story of Avatar of Lord Vishnu

Priyanka (Dancer Manipuri, Manipur): I always feel excited to wear Natarobes and perform. Gives me a lot of confidence and satisfaction.

युवा संसद आज

15 जनवरी को राज्योत्सव स्थल पर प्रातः 11.00 बजे युवा संसद कार्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। उक्त आयोजन के प्रथम सत्र में माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल–कृषि मंत्री छत्तीसगढ़ शासन मुख्य अतिथि रहेंगे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.पी. दुबे कुलपति सी. वी. रमन विश्वविद्यालय करेंगे।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। उक्त अवसर पर माननीय वी. डी. शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहरू युवा केन्द्र संगठन एवं राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष कमलचंद भंजदेव भी उपस्थित रहेंगे शर्मा युवा संसद के राष्ट्रीय संयोजक भी है साथ ही दिल्ली के जे.एन.यू. विश्वविद्यालय के सचिव व अन्य विश्वविद्यालयों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

विवेक – वाणी

- इस संसार में सदैव दाता का स्थान ग्रहण करो। सब कुछ दे डालो और बदले की कोई चाह न रखो। प्रेम दो, सहायता दो, सेवा अर्पित करो, जो कुछ थोड़ा तुमसे बन सकता है वही दो, 'दुकानदारी के भाव' से बचे रहो। न कोई शर्त रखो और न कोई तुम पर शर्त डालेगा, न तुम पर कोई बन्धन आएगा। जिस प्रकार भगवान् हमें स्वेच्छा से देते है,उसी प्रकार हम भी स्वेच्छा से दें।
- संसार को कुछ सौ साहसी स्त्री पुरुषों की आवश्यकता है। उस साहस का अभ्यास करो, जिसमें सच्चाई जानने की हिम्मत है, जिसमें जीवन के सत्य को बतलाने की हिम्मत है, जो मनुष्य मृत्यु से नही कांपता, मृत्यु का स्वागत करता है, और मनुष्य को बतलाता है कि वह आत्मा है, समस्त विश्व में कोई उसका हनन नहीं कर सकता। तब तुम स्वतंत्र हो जाओगे।
- लोहे के गरम रहते उस पर चोट करो। आलस्य से काम नहीं होने का। ईर्ष्या और अहंकार की समस्त भावना सदा के लिए दूर कर दो। आओ,अपनी सारी शक्ति के साथ कार्य करने के लिए कर्मक्षेत्र में उतर आओ। शेष सब के लिए श्रीभगवान हमें मार्ग बता देंगे।

युवाओं को रोजगार का नया रास्ता

वर्तमान औद्योगिकरण के दौर में दुर्घटना की आशंका सभी जगह बनी रहती है। छोटी–बड़ी कम्पनियों, संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्रों में आगजनी की दुर्घटना होते रहती है। इसी को देखते हुए फायर सेफ्टी और सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कौशल विकास उन्नयन की शुरूआत हुई।

फायर एण्ड सेफ्टी तथा सिक्योरिटी कोर्स के जरिये ऐसे युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जो देश और समाज के लिए कुछ करना चाहते है। युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रम के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अब तक 900 हितग्राहियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Friday, 15 January, 2016

Premium workmanship and outstanding creativity: Yuva Kriti

Imagine if you were to travel to each state of our country and get to bring a souvenir back? Sounds exciting? The interesting part is, one doesn't need to travel as the whole nation has travelled to the 20th National Youth Festival. Yuva Kriti is a one of a kind initiative of Nehru Yuva Kendra where the youth get to present their handicrafts on a national platform opening a whole world of possibilities. Such a platform not only encourages the various rare handicraft arts but also provides a profit model for those who are a master at those arts. Most of them have gotten it in their legacy but are finding it difficult to sustain themselves due to lack of exposure and concrete business channels leading to low profits. Yuva Kriti has consistently been one of the most respected and popular aspect of the National Youth Festival for last few years. It has helped thousands of youth retain their skills and become entrepreneurs.

This year one can explore over 30 stalls from different parts of the country showcasing their specialities. One can find almost anything in this rich and colourful exhibition. All the products on display are a result of patience, hard work, excellent workmanship, eye for detail and creativity at its best. Some of the most sought after products are carpets from Bhadohi, wooden toys from Vishakhapatnam, accessories for women from Kolkata, soaps and incense sticks from Kerala, brass and copper decorative pieces from Odisha, shawls from Bihar and various kinds of bamboo products from Assam. Dewas has received special attention this year because of their unique technique of converting household waste into beautiful decorative pieces.

The way to everyone's heart is through the stomach: Food Festival

The 20th National Youth Festival is not just a melting pot of cultures, ideas and talents but also of cuisines. The Food Festival offers the visitors hard to find delicacies from every corner of our country be it Tundey kebabs from Lucknow or Khoya jalebi from Jharkhand, Fish curry from Kolkata or munchies from Gujarat. A big Patiala glass of lassi or cashew beer, one can choose what one fancies. There are surplus vegetarian and non-vegetarian options to choose from.

It attracts thousands of visitors throughout the day most of whom are participants running between different events. Priced nominally with strict standards of quality and hygiene, the food festival becomes the perfect spot for different cultures to share food along with ideas, laughter and happiness.

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Friday, 15 January, 2016

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार

तीजनबाई: तीजन बाई छत्तीसगढ़ की सुप्र. सिद्ध पंडवानी गायिका हैं, जिन्होंने पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया है। सम्मो. हन, अद्भुत नृत्य–नाटय, अभिनय, क्रोध, दर्द, उत्साह, उमंग और छल–कपट, तीस लोकनाटय वाली संवाद उनकी कला की विशेषता है।

दीपक चंद्राकर : दीपक चंद्राकर प्रसिद्ध लोक. कर्मी हैं। उनकी सुप्रसिद्ध "लोकरंग अरजुन्दा" ने कला– संस्कृति और माटी की आकुल पुकार ने माटी की सुगंध को पूरे छत्तीसगढ़ में फैलाया।

ममता चंद्राकर : ममता चंद्राकर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगायिका हैं। उन्हें स्वर कोकिला के नाम से भी जाना जाता है। ददरिया, एवं पारंपरिक गीतों एवं "अरपा पैरी के धार" गीत ने उन्हें विशिष्ट पहचान दी है।

अनूज शर्मा : अनूज शर्मा छत्तीसगढ़ के जानेमाने कलाकार हैं। गायन, अभिनय, स्टेज शो आदि में वे पारंगत हैं। छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे फिल्मी कलाकार हैं जिन्हें 2014 में "पद्मश्री" से सम्मानित किया गया है। उन्हें विशेषकर छत्तीसगढ़ी फिल्म "मोर छईहा भुईया" के लिए जाना जाता है।

Talent is beyond physical ability - MP Abhishek Singh hugs an artist who is deaf and mute.

Chhattisgarhi delicacies you must try before you leave.

Dall Pithi

Khekshi Chana Dal

Kusli

Chapra

Believe it or not these are Rangolis!

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Friday, 15 January, 2016

लोकनृत्य पर झूम उठे दर्शक

राष्ट्रीय युवा उत्सव के तीसरे दिन युवाओं ने अपने-अपने प्रदेश के लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी जिसमे बिहार,चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, अंडमान निकोबार, दिल्ली, झारखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा तथा त्रिपुरा शामिल रहे अंडमान निकोबार के कलाकारों ने नृत्योपरांत गाये जाने वाले लोक गीत पर प्रस्तुत नृत्यों को दर्शकों के सामने रखा वही बिहार से आये युवा कलाकारों ने तीज त्यौहारों की प्रस्तुति अपने लोकनृत्य के माध्यम से दी। लोकनृत्य के इस सिलसिला में चंडीगढ़ के कलाकारों

ने भांगड़ा लोडी की प्रस्तुति दी, ढोल और झूले के धुन के साथ आडिटोरियम में बैठे दर्शक भी झूमते नजर आये । कार्यक्रम में मेजबानी कर रहे छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने यहाँ के बस्तर संभाग के लोकनृत्य की प्रस्तुति वहां के आदिवासियों के रहन सहन और वहां पूजे जाने वाली माता दंतेश्वरी की झलकियां दिखाकर की। वही देश की राजधानी दिल्ली से आये कलाकार विवाह से पहले होने वाली रीति रिवाजों को अपने लोकनृत्य के माध्यम से दिखाया व झारखण्ड के कलाकारों ने जय झारखण्ड थीम के साथ सहरोल कर्मा व जात्रा मेला की प्रस्तुति की। हिमांचल से आये युवा कलाकारों से किन्नौरी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। हरियाणा से आयी महिला कलाकारों ने अपने नृत्य में देशभक्ति गीतों के साथ साहस व ऊर्जा का परिचय दिया, साथ ही गोवा के युवा कलाकारों ने श्री कृष्ण जी के लीला को लोकनृत्य के साथ प्रस्तुत किया। त्रिपुरा से आये कलाकारों ने नवण्या पर्व की झलकियाँ अपने लोकनृत्य के माध्यम से दिखाई।

विभिन्न प्रदेशो से आये कलाकारों ने लोकनृत्य में भारत की विविध संस्कृति विरासत का प्रदर्शन पूर्ण उत्साह के साथ के प्रस्तुत की तथा अपने प्रदेश के लोकनृत्य को संजोने का प्रयास किया। लोकनृत्य कला का कार्यक्रम शुक्रवार तक जारी रहेगा।

नेहरु युवा केन्द्र संगठन के शासी निकाय के सदस्य रानी द्विवेदी एवं दिनेश प्रताप सिंह ने भी लोक नृतकों का उत्साह वर्धन किया।

Kuchipudi Dancer Suggu Sarath Kumar from Andhra Pradesh receiving National Youth Award by Shri Sarbananda Sonowal, Minister of YA&S, Govt. of India

आज होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह की प्रेरणा से नेहरू युवा केन्द्र, रायपुर, स्थानीय जिला प्रशासन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रेडक्रास सोसाइटी के सहयोग से राज्योत्सव स्थल (मेला ग्राउण्ड) में प्रातः 10 बजे से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित पच्चीस युवा इस शिविर में अपना विशेष योगदान कर लोगों को अधिक से अधिक रक्तदान के लिये प्रेरित करेंगे।

शहर के स्थानीय युवा, शिविर में आये हुए सभी राज्यों के प्रतिभागियों युवा संसद में आने वाले युवाओं से नेहरू युवा केन्द्र अपील करता है कि अधिकाधिक संख्या में रक्तदान कर इस पुण्य कार्य के प्रचार में अपने योगदान दें।

वीणा और सितार

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव का तीसरा दिन देश की विभिन्न क्षेत्रों से आई लोक-कलाओं और संस्कृतियों की प्रस्तुति के नाम रहा। इस अवसर पर नया रायपुर स्थित हिदायतुल्ला विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित शास्त्रीय वाद्ययंत्रों की प्रतियोगी श्रृंखला के दूसरे दिन वीणा और सितार वादन की प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई।

कार्यक्रम के पहले सत्र में पुदुचेरी, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, केरल, पंजाब और उत्तरप्रदेश से आये प्रतिभागियों ने वीणा वादन प्रतियोगिता में अलग-अलग राग और तालों से अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम में मंच पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता की खोज के लिए बैठे निर्णायक मंडल में से प्रो. समरजीत मुखर्जी, श्री आर. जयदास तथा प्रो. मणिकंटन ने संयुक्त रूप से बताया की 'वीणा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के "विण" धातु से हुई है जिसका अर्थ ध्वनि होता है। उन्होंने बताया की वीणा हमारे राष्ट्रीय वाद्ययंत्रों में से एक है जो की सरस्वती, विचित्र, कच्छप, रुद्रवीणा आदि कई प्रकार की होती है जिसका समुचित ज्ञान व शिक्षा हमारे देश के युवाओं को होना चाहिए।

प्रतियोगिता के दूसरे सत्र में देश भर के पंद्रह राज्यों से आये प्रतिभागियों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से विधि विश्वविद्यालय का सभागार गुंजायमान हो उठा. कार्यक्रम के दौरान नेहरू युवा केंद्र संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा की इस युवा उत्सव में देश के शास्त्रीय गीत, संगीत, वाद्य यन्त्र और कलाओं को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किया गया है साथ ही उन्होंने निर्णायक मंडल से सुर, ताल और राग के विषय में दर्शकों को संक्षिप्त जानकारी देने की भी अपील की, उन्होंने कहा की संगीत भाव को आत्मा से जोड़ता है। युवाओं की एकाग्रता बढ़ाता है और कर्मचारी वर्ग के लोगों हेतु स्ट्रेस बस्टर का काम भी करता है। अतः ऐसा महत्वपूर्ण शास्त्रीय संगीत हमें सीखना तथा औरों को भी सिखाना चाहिए। कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु सभागार में डॉ. रविन्द्र प्रताप, प्रो.राजीव वर्मा तथा श्री सुधीर पंडित उपस्थित थे, कार्यक्रम समन्वयक के रूप में नेहरू युवा केंद्र संगठन से श्री शरद साालुंके तथा श्री मदन किशन घेपाटे उपस्थित थे।

धीरज रखो तनिक और हे वीर ह्रदय!

भले ही तुम्हारा सूर्य बादलों से ढक जाय,
आकाश उदास दिखायी दे,
फिर भी धैर्य धरो कुछ हे वीर ह्रदय,
तुम्हारी विजय अवश्यम्भावी है।

शीत के पहले ही ग्रीष्म आ गया,
लहर का दबाव ही उसे उभारता है
धूप-छाँह का खेल चलने दो
और अटल रहो, वीर बनो!

जीवन में कर्तव्य कठोर है,
सुखों के पंख लग गये है,
मंजिल दूर, धुँधली सी झिलमिलाती है,
फिर भी अन्धकार को चीरते हुए बढ़ जाओ,
अपनी पूरी शक्ति और सामर्थ्य के साथ!

कोई कृति खो नहीं सकती और
न कोई संघर्ष व्यर्थ जाएगा,
भले ही आशाएँ क्षीण हो जाएँ
और शक्तियाँ जवाब देदें।
हे वीरात्मन, तुम्हारे उत्तराधिकारी
अवश्य जनमेंगे।
और कोई सत्कर्म निष्फल न होगा!

यद्यपि भले और ज्ञानवान कम ही मिलेंगे,
किन्तु, जीवन की बागडोर उन्हीं के हाथों में होगी
यह भीड़ सही बातें देर से समझती है,
तो भी चिन्ता न करो, मार्गप्रदर्शन करते जाओ।

तुम्हारा साथ वे देंगे, जो दूरदर्शी है,
तुम्हारे साथ शक्तियों का स्वामी है,
आशीषों की वर्षा होगी तुम पर,
ओ महात्मन्,
तुम्हारा सर्वमंगल हो!

– स्वामी विवेकानन्द

वन एक्ट प्ले
युवाओं ने दी सार्थक प्रस्तुतियाँ

देश के विभिन्न राज्यों से आये युवाओं ने उत्सव के तीसरे दिन बुधवार को श्री सत्य साई हेल्थ एण्ड एजुकेशन ट्रस्ट नया रायपुर में संचा शिप भवन में वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता में प्रभावी प्रस्तुतियां दी । कुल दस राज्यों के युवाओं की टीम ने अपने-अपने नाटकों की प्रस्तुत दी। सफाई, शिक्षा, लिंग समानता जैसे कई विषयों पर नाटक केन्द्रित थे।

प्रतियोगिता नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष वी.डी. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के बी.ओ.जी. सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, राज्य युवा आयोग छत्तीसगढ़ कमलचन्द भुन्ज देव भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे।

नोडल अधिकारी वीरेन्द्र खत्री के अनुसार राजस्थान, पचमढ़ी, अण्डमान निकोबार, आन्ध्रप्रदेश, उड़ीसा, लक्षदीप, हरियाणा, दादर नागर हवेली सहित दस राज्यों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी।

"Indian Youth for Skill, Development and Harmony."

प्रधानमंत्री का आह्वान बनेगा युवा अभियान

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिये गठित मीडिया सेन्टर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युवा उत्सव के उद्घाटन अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र संगठन का नाम लेकर इस संगठन पर महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई, गांव की स्वच्छता में जो विश्वास जताया है, हम सभी आभारी हैं।

महानिदेशक आगे कहा कि 31 मार्च 2016 तक देशभर में महापुरुषों की मूर्तियों की साफ सफाई करने का लक्ष्य रखा है और इसी के साथ ही देशभर में स्थापित मूर्तियों का इतिहास लेखन किया जावेगा और इनकी प्रेरणाओं का संकलन होगा।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रेरणाओं को संबंधित क्षेत्र में प्रचारित-प्रसारित करने का कार्य छः माह तक अभियान के तौर पर होगा। इस अभियान में मूर्तियों की साफ-सफाई के बाद द्वितीय चरण में गांवों में स्वच्छता और निर्मलता के लिये कार्य करने के लिये युवा मण्डलों, युवा क्रिया समूहों को तैयार किया जाएगा। गांवों की साफ-सफाई के बाद पूजा स्थलों की और फिर पर्यटक स्थलों की सफाई के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन अपना योगदान देगा।

हम सब में अच्छाई और बुराई, दोनों गुण होते हैं। जो लोग अच्छे गुणों पर ध्यान केन्द्रित करने का निर्णय लेते हैं, वे जीवन में सफल हो जाते हैं।

– नरेन्द्र मोदी

"ZINDAGI NAHI MILEGI DUBARA KOSHISH KARNE VALON KI KABHI HAR NAHI HOTI"

On the second day of the Skill development Workshop and Lecture, Smt. Renu Pillay,IAS, Principal Secretary of Technical Education, Manpower Planning and Science & Technology, Government of Chhattisgarh attended the programme as the opening Resource Person. She said that the youth of the country are the biggest force who can take our country forward; and advised them to be serious in whatever they are persuing. Smt. Renu said that youth should have quest to seek for shaping their lives, every one must have strong determination, commitment and zeal to achieve life goals; skill upgradation is one of the area where youth need to concentrate.

Her deliberation was followed by Dr. Priyanka Shukla, IAS, CEO, Chhattishgarh State Skill Development Authority (CSSDA). She stressed upon the role of women in society stressing that Women are the one who make a person to be a man in the sociey. Starting from the huosehold works, educational support to their children, taking care of husband and also more importantly rearing the children. Without these important roles, a society cannot propgress and prosper. Her energetic and proactive approach motivated the participating youth to achieve the dream they want to achieve. Her call as well taken by hundreds of youth coming from different walks of life "JIVAN ME KUCH KARNA HE TO- HIMAT HARE MAT BEITHO." Major General Dilawar Singh, Director General of NYKS interacted with the youth and reiterated the statement of Prime Minister Sh. Narendra Modi saying that youth should become the job provider instead of job seeker.

Sri. Devendra Singh, Centre Head of Livelihood College,Durg, Shri, Tapan Das, Youth 4Jobs, Hederbad, Shri Rajesh Kr. Dubey, Director UGC-HRDC, Jodhpur, Rajasthan, Mr. Shashank Awasthi, VITESH, Kolkota, Shri Devendra Singh Bhadauryia, Chief Programme Coordinator LUPIN Human Welfare and Research Foundation also spoke in length on the subject for skill-enahncement among the youth.

20th National Youth Festival

Programme : 12-16 January, 2016, Raipur, Chhattisgarh

Date	Event	Venue	Time From	Time To
13.01.2016 to 15.01.2016	Yuva Kriti	Dr. Shyama Prasad Mukherjee Udyog and Vyapar Parisar, Nayan Raipur	11.00 am	8.00 pm
	Food Festival	- do -	11.00 am	8.00 pm
	Young Artist Camp	- do -	11.00 am	8.00 pm
	Adventure Programme	Rajyotsav Sthal, Behind National Youth Convention	8.00 am	6.00 pm
15.01.2016	Suvichar and Youth Convention	Dr. Shyama Prasad Mukherjee Udyog and Vyapar Parisar, Nayan Raipur (Dome No. - 5 NSS	11.00 am	5.00 pm
	Skill Development Programme	-do- (Dome No.-2) NYK	11.00 am	5.00 pm
	Poetry by Ms. Ratanam & Sand Art	-do- (Dome No.-1)	11.00 am	12.00 noon
	Lecture by Kalpesh Yagnik	-do- (Dome No. 1)	12.00 noon	1.30 pm
	Movie Display by Army, Practice of Paramoter & Paradrop	-do- (Dome No. 1)	2.30 pm	5.00 pm
	Folk Music	Krishi Vishwavidhyalaya Auditorium, Labhandi Raipur	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	One Act Play	Satya Sai Sanjeevani Hospital Auditorium, Naya Raipur	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Folk Dance	IIT Multipurpose Hall, Naya Raipur	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Classical Instrumental (Tabla / Guitar)	Hidayatullah National Law University Auditorium, Naya Raipur	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Classical Dance (Kathak)	Thakur Pyare Lal Panchayat & Gramin Vikas Sansthan Auditorium, (SIRD) Nimara	10.00 am	1.00 pm
	NON-COMPETITIVE EVENTS: Marine Drive (Old Rajpur) Andhra Pradesh: Karate, Chhattisgarh: Panthi Dance, Goa: Konkin Dance, Gujarat: Garbha Dance, Karnataka: Folk Dance, Madhya Pradesh: Tribal Dance, Mizoram: Mizo Dance, Punjab: Bhangra, Rajsthan: Gummar Dance, Tripura: Hozagiri Dance, Uttar Pradesh: Folk Dance, Delhi: Folk Dance & Folk Song		3.00	5.00 pm
	NON-COMPETITIVE EVENTS: Budha Talab (Sports Complex, Old Rajpur) Assam: Bihu Tribal Dance, Bihar: Folk Dance, Chandigarh: Jhoomar, Haryana: Haryanvi Dance, J&K: Folk Dance, Kerala: Folk Dance, Maharashtra: Folk Dance, Manipur: Folk Dance, Odissa: Oddissi Dance, Sikkim: Mangar Dance, Telengana: Folk Dance, Tamilnadu: Folk Dance.		3.00	5.00

Performance by Indian Ocean Band

Published by The Media Wing, Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi. www.nyks.org E-mail: negijaipal@yahoo.co.in